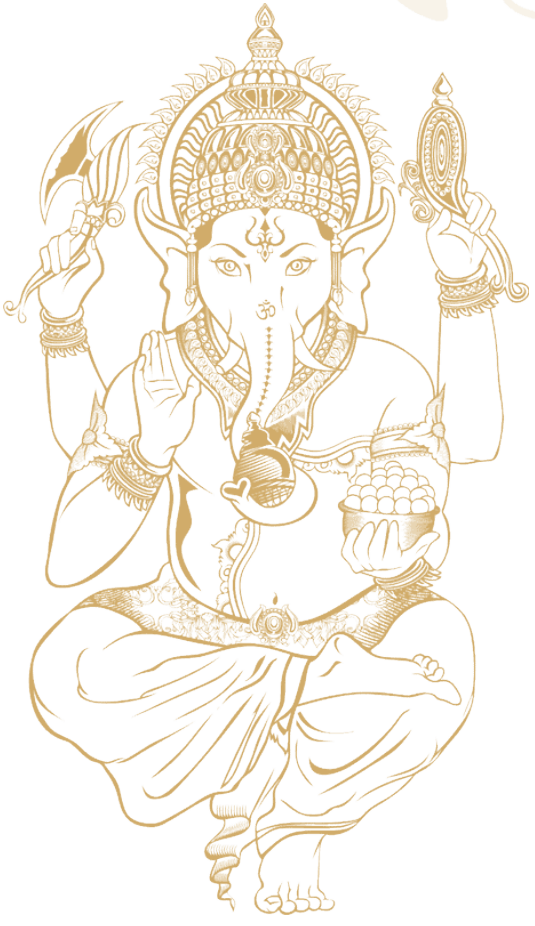

Jitender kumar

12 Apr 1988

09:29 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121957307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/04/1988**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:29:00 घंटे**
इष्ट	08:44:40 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:46 घंटे
साम्पातिक काल	22:30:10 घंटे
सूर्योदय	05:59:08 घंटे
सूर्यास्त	18:45:10 घंटे
दिनमान	12:46:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:46:16 मीन
लग्न के अंश	28:06:36 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुभ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	28:06:36	345:10:29	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मीन	28:46:16	00:58:51	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	00:01:17	14:26:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			मक	09:50:33	00:40:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध		अ	मीन	19:46:29	01:56:51	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मेष	14:02:25	00:14:07	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृष	14:17:01	00:54:21	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	स्वराशि
शनि	व		धनु	08:51:32	00:00:06	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
राहु			कुंभ	29:08:13	00:01:25	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
केतु			सिंह	29:08:13	00:01:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	07:19:50	00:00:23	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप	व		धनु	16:30:01	00:00:01	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		तुला	18:01:45	00:01:34	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
दशम भाव			कुंभ	12:03:09	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:38

लग्न-चलित

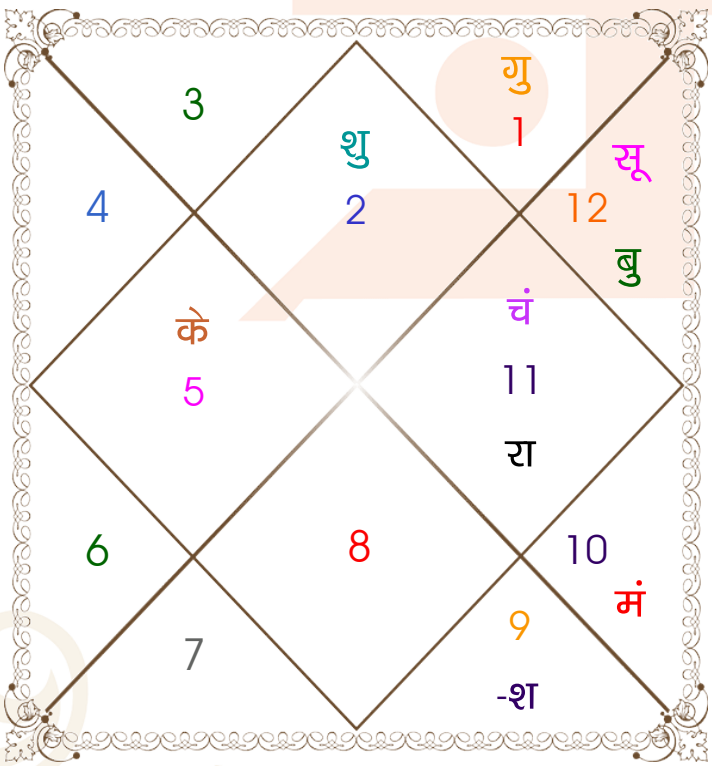

चन्द्र कुंडली

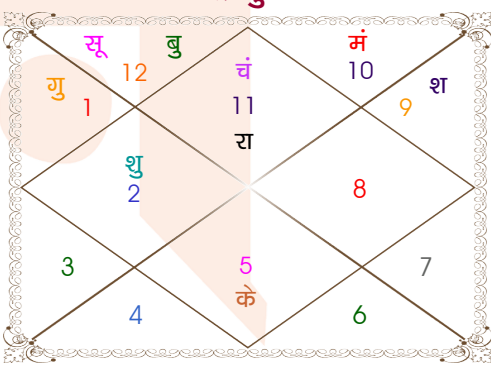

नवमांश कुंडली

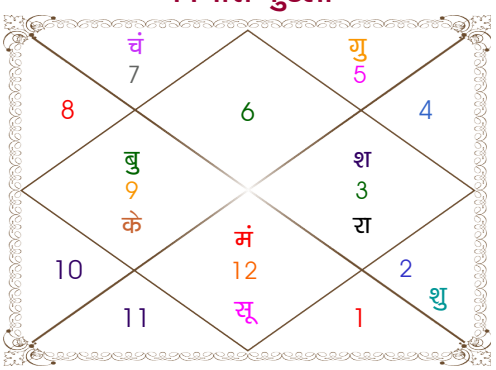

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 5 मास 26 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/04/1988		08/10/1991		08/10/2009		08/10/2025		07/10/2044	
08/10/1991		08/10/2009		08/10/2025		07/10/2044		08/10/2061	
	00/00/0000	राहु	20/06/1994	गुरु	26/11/2011	शनि	10/10/2028	बुध	06/03/2047
	00/00/0000	गुरु	13/11/1996	शनि	08/06/2014	बुध	21/06/2031	केतु	02/03/2048
	00/00/0000	शनि	20/09/1999	बुध	13/09/2016	केतु	29/07/2032	शुक्र	01/01/2051
	12/04/1988	बुध	08/04/2002	केतु	20/08/2017	शुक्र	29/09/2035	सूर्य	08/11/2051
बुध	05/04/1989	केतु	27/04/2003	शुक्र	20/04/2020	सूर्य	10/09/2036	चंद्र	08/04/2053
केतु	01/09/1989	शुक्र	27/04/2006	सूर्य	06/02/2021	चंद्र	11/04/2038	मंगल	05/04/2054
शुक्र	01/11/1990	सूर्य	21/03/2007	चंद्र	08/06/2022	मंगल	21/05/2039	राहु	23/10/2056
सूर्य	09/03/1991	चंद्र	19/09/2008	मंगल	15/05/2023	राहु	27/03/2042	गुरु	29/01/2059
चंद्र	08/10/1991	मंगल	08/10/2009	राहु	08/10/2025	गुरु	07/10/2044	शनि	08/10/2061

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/10/2061		07/10/2068		07/10/2088		08/10/2094		08/10/2104	
07/10/2068		07/10/2088		08/10/2094		08/10/2104		00/00/0000	
केतु	06/03/2062	शुक्र	07/02/2072	सूर्य	25/01/2089	चंद्र	08/08/2095	मंगल	07/03/2105
शुक्र	06/05/2063	सूर्य	06/02/2073	चंद्र	27/07/2089	मंगल	08/03/2096	राहु	25/03/2106
सूर्य	11/09/2063	चंद्र	08/10/2074	मंगल	01/12/2089	राहु	07/09/2097	गुरु	01/03/2107
चंद्र	11/04/2064	मंगल	08/12/2075	राहु	26/10/2090	गुरु	07/01/2099	शनि	09/04/2108
मंगल	07/09/2064	राहु	08/12/2078	गुरु	14/08/2091	शनि	09/08/2100	बुध	13/04/2108
राहु	25/09/2065	गुरु	08/08/2081	शनि	26/07/2092	बुध	08/01/2102		00/00/0000
गुरु	01/09/2066	शनि	07/10/2084	बुध	02/06/2093	केतु	09/08/2102		00/00/0000
शनि	11/10/2067	बुध	08/08/2087	केतु	08/10/2093	शुक्र	09/04/2104		00/00/0000
बुध	07/10/2068	केतु	07/10/2088	शुक्र	08/10/2094	सूर्य	08/10/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 5 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।